Privatisation in Different Sectors

350. MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether there is any proposal with his Ministry to introduce priva tisation in different sectors; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) and (b) Most of the sectors under the purview of this Ministry are State Subjects. Consequently, decisions to privatise the same would have to be taken by the State Governments. Government of India have, however, been urging the State Governments to go in for greater privatisation in the sphere of urban utilities e.g. water supply and sanitation, solid waste management, transport, housing, etc. It may be mentioned that housing and transport are already partly in he private sector. As far as matters directly handled by the Ministry viz., CPWD, L & DO and Directorate of Estates are already partly in the private see- under consideration for privatising the same.

वसंत विहार, दिल्ली में सामुदायिक केन्द्र के सामने अनधिकृत कब्जा

351. श्री ईश दत्त यादव : क्या **शहरी विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण वसंत विहार, नई दिल्ली में सामुदायिक केन्द्र के सामने भूखंड सं० 51 पर हुए अनधिकृत कब्जे को हटाने में विफल रहा है ;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ग) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने 1.25 करोड़ रुपए मूल्य की इस जमीन को अनधिकृत कब्जादारों से खाली कराने के लिए क्या प्रयास किए हैं ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरूणाचलम) : (क) और (ख) प्लाट सं० 51, सामुदायिक केन्द्र, वसन्त विहार पर अतिक्रमण दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा 25.10.1990 को हटाया गया था परन्तु बाद में इस पर पुनः अतिक्रमण कर लिया गया था । अनधिकृत अतिक्रमण अब तक नहीं हटाया जा सका क्योंकि अतिक्रमणकारी द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय से बेदखली के विरुद्ध स्थगनादेश प्राप्त कर लिया गया है।

(ग) यह मामला दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित है तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा अनधिकृत अतिक्रमण को हटाने हेतु स्थगनादेश रद्द करने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं ।

Shortage of water in Delhi

352. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA; Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:)

(a) whether Governments attand tion has been drawn to the newsiteam captioned 'Most colonies *tarn* acutu water shortage' which appeared inthe